



"EPCH HOUSE" POCKET 6 & 7, SECTOR - C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110 070  
Tel.: +91-11-26135256 / 57 / 58  
Fax: +91-11-26135518 / 19

E-mail: mails@epch.com  
Web : www.epch.in

## **PRESS RELEASE**

### **EPCH SEEKS MINISTRY OF COMMERCE & INDUSTRY AND MINISTRY OF SHIPPING'S INTERVENTION FOR RELIEF FROM HIGH FREIGHT/CONTAINER CHARGES**

**August 18, 2022, New Delhi** – Handicrafts sector plays a prominent role in the country's economy by earning much needed foreign exchange through exports and also generating substantial employment for craftspeople's. This decentralized sector has buyer driven overseas markets which demand innovative and quality products.

The pandemic has disrupted the Exim logistics across the globe due to which the exporters have been facing shortage of containers and higher charges. The Handicrafts sector is working hard to come out of the situation and is looking forward for the better business and foreign exchange earnings. Recently, the freight charges in India have been increased drastically leading to uncompetitive business scenario globally for handicrafts exporters, however the Competitor countries have decreased the freight charges, whereas the Indian exporters are facing increase in freight cost. Despite all the challenges the export of handicraft in the year 2021-22 has reached Rs. 33253.00 crores (US\$ 4459.76 million) showing an increase of 29.49 %.

Shri Raj Kumar Malhotra, Chairman-EPCH informed that The US Government has recently passed a law named Ocean Shipping Reforms Act of 2022 to curb arbitrary and improper functioning of shipping and logistics. By this law, the Federal Maritime Commission has been given powers to stop unfair trade policy being adopted by shipping lines. According to the latest information, these shipping companies have drastically cut the fare of containers (40' high cube) going from China to USA, which was around USD 15000 few months ago and has been drastically reduced by over 60% thus reducing to around USD 5500, while the fares of containers going from India are at US\$10,000. As a result, an additional shipping fee of about US\$5000-US\$6000 is being charged for the fare of a container going from India to USA.

Shri Rakesh Kumar, Director General-EPCH, informed that the EPCH has requested Ministry of Commerce and Industry and Ministry of Shipping to intervene in the matter and provide an alternate viable solution both in the short-term as well as in the long term. A similar mechanism as in USA may be introduced in India also to keep check on the freight charges. Further, in order to provide some relief to the handicrafts exporters, container freight subsidy to the exporters of handicrafts may be considered.

Shri Kumar, further said that under high freight & container charges, US importers have either started holding or cancelling orders placed with Indian handicraft exporters. This has created a serious crisis for the exporters, especially the small and MSME exporters engaged in production of Handicraft products.

EPCH is a nodal agency for promoting exports of handicrafts from the Country to various destinations of the world and projecting India's image abroad as a reliable supplier of high quality handicrafts goods & services. The Handicrafts exports during the year 2021-22 was Rs. 33253.00 Crores (US \$ 4459.76 Million) registering a growth of 29.49% in rupee term & 28.90% in dollar terms over previous year, informed Shri Rakesh Kumar, Director General EPCH.

**For more information, please contact :**

Shri Rakesh Kumar, Director General-EPCH - +91-9818272171

## प्रेस विज्ञप्ति

### ईपीसीएच ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय और शिपिंग मंत्रालय के द्वारा उच्च माल ढुलाई/कंटेनर शुल्क में राहत के लिए मांग की

**अगस्त 18, 2022, नई दिल्ली** - हस्तशिल्प क्षेत्र निर्यात के माध्यम से बहुत ही आवश्यक विदेशी मुद्रा अर्जित और शिल्पकारों के लिए पर्याप्त रोजगार पैदा करके देश की अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है। इस विकेन्द्रीकृत क्षेत्र में खरीदार संचालित विदेशी बाजार पर निर्भर हैं जो नवीन और गुणवत्ता वाले उत्पादों की मांग करते हैं।

महामारी ने दुनिया भर में एक्जिम लॉजिस्टिक्स को बाधित कर दिया है, जिसके कारण निर्यातकों को कंटेनरों की कमी और अधिक शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। हस्तशिल्प क्षेत्र स्थिति से बाहर आने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है और बेहतर व्यापार और विदेशी मुद्रा आय की उम्मीद कर रहा है। हाल ही में, भारत में माल ढुलाई शुल्क में भारी वृद्धि हुई है, जिससे हस्तशिल्प निर्यातकों के लिए विश्व स्तर पर अप्रतिस्पर्धी व्यापार और भी कठिन हो गया है, हालांकि प्रतिस्पर्धी देशों ने माल ढुलाई शुल्क में कमी की है, जबकि भारतीय निर्यातकों को माल ढुलाई लागत में वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है। तमाम चुनौतियों के बावजूद वर्ष 2021-22 में हस्तशिल्प का निर्यात रु. 33253.00 करोड़ (4459.76 मिलियन अमेरिकी डॉलर) जो 29.49% की वृद्धि दर्शाता है।

श्री राज कुमार मल्होत्रा, अध्यक्ष-ईपीसीएच ने बताया कि अमेरिकी सरकार ने हाल ही में शिपिंग और लॉजिस्टिक्स के मनमाने और अनुचित कामकाज को रोकने के लिए ओशन शिपिंग रिफॉर्म एक्ट 2022 नामक एक कानून पारित किया है। इस कानून द्वारा, संघीय समुद्री आयोग को शिपिंग लाइनों द्वारा अपनाई जा रही अनुचित व्यापार नीति को रोकने की शक्तियां दी गई हैं। नवीनतम जानकारी के अनुसार, इन शिपिंग कंपनियों ने चीन से संयुक्त राज्य अमेरिका जाने वाले कंटेनरों (40 'उच्च घन) के किराए में भारी कटौती की है, जो कुछ महीने पहले लगभग 15000 अमरीकी डालर था और 60% जोकि लगभग 5500 अमरीकी डालर तक कम हो गया है जबकि भारत से जाने वाले कंटेनरों का किराया 10,000 अमेरिकी डॉलर है। परिणामस्वरूप, भारत से यूएसए जाने वाले एक कंटेनर के किराए के लिए लगभग US\$5000-US\$6000 का अतिरिक्त शिपिंग शुल्क लिया जा रहा है।

श्री राकेश कुमार, महानिदेशक-ईपीसीएच ने बताया कि ईपीसीएच ने वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय और शिपिंग मंत्रालय से इस मामले में हस्तक्षेप करने और अल्पावधि के साथ-साथ लंबी अवधि में एक वैकल्पिक व्यवहार्य समाधान प्रदान करने का अनुरोध किया है। माल ढुलाई प्रभारों पर नियंत्रण रखने के लिए भारत में भी संयुक्त राज्य अमेरिका की तरह एक समान तंत्र शुरू किया जा सकता है। इसके अलावा, हस्तशिल्प निर्यातकों को कुछ राहत प्रदान करने के लिए हस्तशिल्प के निर्यातकों को कंटेनर माल ढुलाई सब्सिडी पर विचार किया जा सकता है।

श्री कुमार ने आगे बताया कि उच्च माल ढुलाई और कंटेनर शुल्क के तहत, अमेरिकी आयातकों ने भारतीय हस्तशिल्प निर्यातकों को दिए गए ऑर्डर को या तो रोकना या रद्द करना शुरू कर दिया है। इसने निर्यातकों, विशेष रूप से हस्तशिल्प उत्पादों के उत्पादन में लगे छोटे और एमएसएमई निर्यातकों के लिए एक गंभीर संकट पैदा कर दिया है।

ईपीसीएच देश से दुनिया के विभिन्न गंतव्यों में हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प वस्तुओं और सेवाओं के विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विदेशों में भारत की छवि पेश करने के लिए एक नोडल एजेंसी है। वर्ष 2021-22 के दौरान हस्तशिल्प निर्यात रु. 33253.00 करोड़ (US\$4459.76 मिलियन) रुपये में 29.49% और पिछले वर्ष की तुलना में डॉलर के संदर्भ में 28.90% की वृद्धि दर्ज करते हुए, EPCH के महानिदेशक श्री राकेश कुमार को सूचित किया।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री राकेश कुमार, महानिदेशक- ईपीसीएच- +91-9818272171.